सादर प्रकाशनार्थ

रजगामार में आध्यात्मिक समागम सम्पन्न

रजगामार–14.03.2016–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के राजयोग केन्द्र रजगामार में अध्यात्मिक समागम का कार्यकम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भ्राता शशिधर द्विवदी उप क्षेत्रीय प्रबंधक एस. ई.सी.एल रजगामार ने कहा कि एस.ई.सी.एल कें द्वारा बेटी बचाओ कार्यकम में संस्था के सदस्यों ने अपनी सकिय सहाभागिता निभाई थी और आज भी इस आध्यात्मिक कार्यकम में आकर मुझे एक सुकुन का अनुभव हो रहा है। कवि हृदय भ्राता बलराम राठौर ने हास्य रस की कविताओं की झड़ी लगा दी। आपने मॉ की महिमा में अपने भाव प्रस्तुत करते हुए कहा कि मॉ के बिना इस सृष्टि की कल्पना अधूरी है। पालना का वात्सल्य मुझे जहॉ भी मिलता है वहॉ मॉ का भाव नजर आता है। भ्राता अनिल चौरसिया समाज सेवी ने कहा कि संस्था के द्वारा अनेकानेक कार्यकम आयाजित किये जाते हैं। खास कर चैतन्य देवियों की झांकी का अवलोकन लोगों की सोच को एक आध्यात्मिक दिशा देती है। वैसे भी छत्तीसगढ़ राज्य मर्यादा पुरूषोत्म श्रीराम चन्द्र की नौनिहाल भूमि है। भ्राता चन्द्र प्रकाश अग्रवाल मण्डल महामंत्री ग्रामीण भाजपा ने कहा कि यह एक समाज सेवा में अग्रणी और एक मानव कल्याण में अग्रणी संस्था है। हमारा जीवन कैसे तनाव मुक्त और सुखमय बनें यह कला यहां सिखलाया जाता ह है। ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन ने कहा कि मन एक छोटे बच्चे की तरह है इसे मार से नहीं लेकिन प्यार स समझाना चाहिए। इसके साथ ही अपने जीवन को खुशनुमः बनाने के लिये सात दिवसीय राजयोग कोर्स किये जाने का आव्हान किया। मंच का संचालन ब्रह्कुमारी जितेश्वरी बहन तथा धन्यवाद ज्ञापन भ्राता शेखरराम ने किया। कु. भाविका, मुस्कान नामिनि ने नृत्य बहन गायत्री तथा राजमीत भाई ने गीत व भजन की प्रस्तुति दी।

मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी